

अन्योन्याञ्जलिङ् कृत्वा स्नेहात् संश्लिष्यचो रसा. —
Caus. vel cl. 10. conjungere. MAH. 2. 735.: तवे मे पुत्र-
शकले दृष्टवत्य् अस्मि धार्मिक । संश्लेषिते मया दै-
वात् कुमारः समपद्यत.

c. उप Caus. cohibere, inhibere, sistere. UR. 9. 7.: रथम्
उपश्लेषय.

3. श्लिष् 10. P. (proprie Caus. praeced.) conjungere (v.
2. श्लिष् praef. सम्).

श्लोक 1. A. (सङ्गते क. वर्जने सर्जने r.) conjungere, com-
ponere; relinquere; creare.

श्लोक m. (r. श्लोक s. अ) stropha. N. 15. 9.

श्लोण 1. P. i. q. श्लोण.

श्लङ् 1. A. i. q. अङ्क, श्लङ्क.

श्लञ् 1. A. (scribitur श्च) id.

श्लृ 10. P. श्लाथयामि i. q. 2. श्लृ. Cf. स्वृ.

श्लृत् 10. P. (scribitur श्लृ) id.

श्वन् m. (in casibus debilissimis श्वन्, v. gr. 225.) canis.

(Gr. κύων, κυνός = श्वन्; lat. cani-s, ejecto o vel u,
addito i, sed gen. pl. can-um a primitivo Them. in n, si-
cut juven-um a juven = युवन्; lith. nom. szũ = श्वा,
gen. szun-s = श्वन्, v. gr. comp. 139.; hib. nom. cu,
gen. et pl. coin; goth. hund-s, Them. hunda, adjecto da;
russ. sobaka pro sbaka, cf. med. σπακα apud Herod.
«την γὰρ κύνα καλέουσι σπάκα Μηδοι», pers. سگ
seg, zend. nom. wəwə s'pā, acc. ʒəwəwə s'pānē m,
(v. gr. comp. 50.).)

श्वञ् 10. P. (ut videtur, Denom. a sq.) perforare.

श्वञ् m. caverna, specus. HIT. 12. 8.

श्वल्, श्वल् 1. P. (विगो) currere.

श्वल्क् 10. P. (भाषे) loqui.

श्वशुर m. (ut videtur, e स्वशुर, quâ formâ nituntur cognatae
linguae, e स्व suus et शुर vir, v. शूर et स्वजन cogna-
tus, स्वसृ e स्वस्त्री soror, Pott I. 126., Benfey II. 175.
176.) socer. N. 25. 2. (Goth. swaihra, Them. swaihran,
cum ai pro i ex a, v. gr. comp. 82.; germ. vet. suehur,

Them. suehura, slav. svekr, lith. szeszur-s pro szeszura-s
mariti pater; cambro-brit. çwegrawn; lat. socer e suocer,
gr. ἑκύρος.)

श्वश्रू f. (ut videtur, a श्वशुर abjecto श्र, transposito उर in
रु, producto उ, sicut e. c. in भीरू f. a भीरु, v. gr. 244.)
socrus. SA. 3. 20. (Vid. श्वशुर et cf. lat. socrus, gr. ἑκυ-
ρά = श्वशुरा; goth. swaihró(n), germ. vet. suigar, cam-
bro-brit. çwegyr, slav. svekroj; fortasse lith. ūszwē (uo-
szwē) mariti socrus e szuoszwē.)

1. श्वस् 2. P. श्वसिमि (v. gr. 354.) interdum 1. A. praet.
mltf. अश्वसिषम् et अश्वसम्. 1) spirare, spiritum

ducere. RIGV. 65. 5.: श्वसित्य् अप्सु हंसो न सीदन्;
BH. 5. 8.: श्वसन्; HIT. 34. 6.: श्वसन् अपि न जीवति;
MAH. 3. 12544.: श्वसमाना इवा "शुगाः. 2) suspirare,
gemere. IN. 5. 51.: स्फुरदोष्ठी स्वसन्ती; vid. praef. नि-
— Caus. recreare, reficere. R. Schl. II. 84. 18.: श्वासिता
सेना वत्स्यतो 'मां विभावरीम्. (Huc traxerim lat.
spiro cum p pro o, sicut semper in Zend. s'p = श्व, de
r pro s vid. gr. comp. 22. Etiam queror, ques-tus huc
trahi posset, ita ut a gemendo dictum sit, v. Pott I. 280.)

c. आ respirare, se recolligere, se recipere ex timore, moe-
roro. BHATT. 4. 38.: आश्वसिहि मा रुदः; MAH. 3. 690.:
आश्वसधम् मा भीः कार्या. — आश्वस्त qui respiravit
etc. SA. 6. 8.: तौ पुनर आश्वस्तौ. — Caus. 1) facere
ut quis respiret, animum recipiat. MAH. 1. 5406.: कु-
न्तीम् आश्वसयामास प्रेष्याभिष् चन्दनोदकैः.
2) animum alicui facere, alcjs animum confirmare, con-
solari. BH. 11. 50.: आश्वसयामासच भीतम्; N. 11.
10.: विलपन्तो समागम्य ना श्वासयसि.

c. आ praef. प्रति id. R. Schl. II. 51. 2.: प्रत्याश्वसिहि; 58.
1.: प्रत्याश्वस्तो यदा राजा मोहात्.

c. आ praef. सम् id. N. 11. 29.: सा दृष्टै 'व समाश्वसत्;
73.: समाश्वसिहि मा शुचः. — Caus. i. q. आश्वसया-
मि. N. 11. 29. R. Schl. I. 17. 29.

c. उत 1) spirare. MAN. 3. 72.: उच्छ्वसन् न स जीवति;
R. Schl. I. 64. 18.: नो 'च्छ्वसिष्यामि संवत्सरशतानि;
20.: अनुच्छ्वसन् अभुञ्जानः. 2) suspirare, gemere.